गुरुग्राम
रविवार
04 दिसंबर, 2022
वर्ष 10, अंक 334
पृष्ठ 08
मूल्य ₹1.00

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ह्यूमन इंडिया
हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.epaperhumanindia.in ; E-mail : humanindiadaily@gmail.com ज्ञान व आस्था की परंपरा से जुड़े युवा पीढ़ी : धनखड़

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर्महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता का अग्रवाल महाविद्यालय में हुआ आयोजन

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

बल्लभगढ़। शनिवार को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सुबेश पांडेय (प्राचार्य, अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बल्लबगढ़) उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने खिलाडियों के उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत, लगन तथा धैर्य ही सफलता कुंजी है। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी जीत का दृढ़ संकल्प मन में रखकर परिश्रम करता है उसे लक्ष्य प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर संयोजक (खेल समीति) डॉ. केएल कौशिक ने बताया कि खेल ही शारीरिक शक्ति का विपुल भण्डार है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में आशा, स्फूर्ति एवं नवीन ऊर्जा का संचार होता है।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय प्राचार्य ने रावल इंस्टिट्यूट फरीदाबाद द्वारा आयोजित 'रावल ओलंपिक्स' में अग्रवाल महाविद्यालय के विजेता खिलाडियों को नगद इनाम एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जिसमें कबड्डी की टीम रनर-अप रही और विकी हुड्डा को सर्वश्रेष्ठ एथलीट से पुरस्कृत किया गया। इस इंटर कॉलेज तीरंदाजी प्रतियोगिता में भिन्न-भिन्न महाविद्यालयों से लगभग 100 खिलाडियों ने हिस्सा लिया जिसमें इंडियन, रिकर्व और कम्पाउंड की प्रतिस्पर्धा कराइ जाएगी। जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैम्पीयनशिप में अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ के बीए के छात्र सागर ने प्रथम तथा महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में आयोजित एथलेटिक्स में बीश एश की मेघा ने तृतीय स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। खिलाडियों को उत्साहित करने में महाविद्यालय के डीपी नन्द किशोर, डॉ. जगवीर सिंह, मोहित हुड्डा का सराहनीय योगदान रहता है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्तागण रविन्द्र जैन, डॉश मनोज शुक्ला, डॉ. नरेश कामरा, डॉ. रामचंद्र, डॉ. रितु, डॉ. अशोक निराला मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती कमल टंडन (अंग्रेजी विभागाध्यक्षा) द्वारा किया गया।